Paper - VI

MT

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 3 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. **(क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

1) **संजाल पूर्ण कीजिए।** **2**

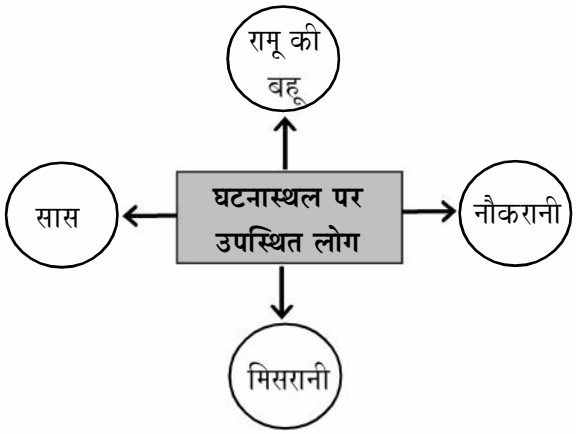

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।**

(1) **पाटा** - रामू की बहू ने बिल्ली पर क्या पटक दिया ? ½

(2) **कबरी बिल्ली** - देहरी पर बैठकर कौन बड़े प्रेम से देख रही थी ? ½

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) हिली न डुली।

(2) न चीखी न चिल्लाई।

(3) एकदम उलट गई।

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।**

(1) बासुरी - बाँसुरी (2) हात - हाथ **1**

	ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए।** (1) बहू - बेटा (2) सास - ससुर	**1**
4)	जानवरों का मनुष्य के जीवन में बहुत महत्त्व है । गाय, बैल, भैंस, कुत्ता, घोड़ा आदि जानवर बहुत उपयोगी हैं । हमें उन्हें प्रेम से पालना चाहिए । ये जानवर हमारे साथ हमारे घर में रहकर परिवार के सदस्य जैसे बन जाते हैं । हमें उनके प्रति सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए। उन्हें उचित समय पर अच्छी खुराक देनी चाहिए। उनकी साफ - सफाई का ध्यान रखना चाहिए । ये जानवर भी हमारे प्रति सद्व्यवहार और स्नेह रखते हैं । उनकी अच्छी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है ।	**2**
उ.1.	**(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	**समझकर लिखिए।** i) फ्लेम ऑफ द फायर। ii) आग की लपटों के समान। iii) वसंत ऋतु में। iv) पलाश के नारंगीपन लिए लाल फूलों की।	**2**
2)	**समझकर लिखिए।** 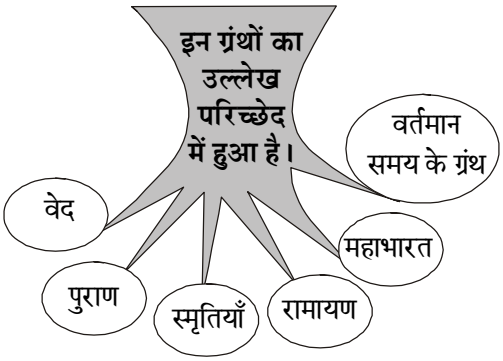 	**2**
3)	i) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए।** (1) पुराना - प्राचीन (2) अद्भुत - अलौकिक	**1**
	ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए।** (1) भगवान - भगवती (2) देव - देवी	**1**
4)	जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण वर्षा की मात्रा पर बुरा प्रभाव पड़ा है । कहीं - कहीं नदियों में विनाशकारी बाढ़ आने लगी है तो कहीं अकाल पड़ने लगा है । इसका सबसे बुरा असर फसलों पर पड़ा है । जंगल कट जाने से हिंसक जंगली जानवर बस्तियों में आकर शिकार करने लगे हैं । इस तरह जंगलों की कटाई से देश को बहुत नुकसान हो रहा है ।	**2**

उ.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **समझकर लिखिए ।** **1**

(1) पौष्टिक भोजन (2) व्यायाम

ii) **उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) शरीर में शुद्ध रक्त का संचार होना ।
(2) भोजन का ठीक से पचना ।
(3) शरीर का पुष्ट बन जाना ।
(4) मस्तिष्क का स्वस्थ रहना ।

2) व्यायाम से मानसिक तनाव और थकान मिटती है । शरीर का रक्त शुद्ध हो जाता है तथा पूरे शरीर में ताजगी आती है । व्यायाम यदि खुले स्थान में या किसी पार्क में किया जाए तो अधिक लाभ मिलता है । फेफड़ों को शुद्ध वायु पर्याप्त मात्रा में मिलती है । पेशियों और अस्थियों को ताकत मिलती है । शरीर का दर्द और ऐंठन मिट जाती है । ज्ञानेन्द्रियों में सजगता आती है । संपूर्ण शरीर प्राकृतिक दशा में कार्य करने लगता है। शारीरिक दुर्बलता और सुस्ती समाप्त हो जाती है । इस तरह व्यायाम के प्रभाव से शरीर में नवजीवन का संचार होता है । बूढ़े और बीमार लोग भी अपने भीतर स्फूर्ति का अनुभव करने लगते हैं । **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

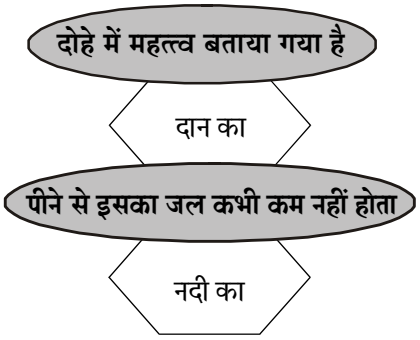

ii) **पद्यांश से संबंधित दो प्रश्न तैयार कीजिए-** **1**

(1) पीने से क्या नहीं घटता ?
(2) कबीर लोगों को अपनी आँखों से क्या देखने के लिए कहते है ?

2) i) **दान की महिमा लिखिए।** **1**

(1) दान देने से धन घटता नहीं।
(2) जल देने से नदी का पानी कम नहीं होता।

ii) दोहे में प्रयुक्त शरीर के एक महत्त्वपूर्ण अंग का नाम आँखें है । 1

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।**

(1) नदी - सरिता (2) नीर - जल 1

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।**

(1) दिये - दिए (2) आखें - आँखें 1

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।**

प्रस्तुत दोहे में कबीर जी ने दान का महत्त्व स्पष्ट किया है। दान देने से धन घटता या कम नहीं होता। नदी भी अपने जल का दान करती है। वह खुद पानी नहीं पीती, बल्कि औरों की प्यास बुझाती है। कबीर जी कहते हैं कि अपनी आँखें खोलो और दान की प्रवृत्ति का अनुसरण करो। 2

उ.2. **(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **सोचकर लिखिए।** 1

ii) (1) भाल (2) आँखें 1

2) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

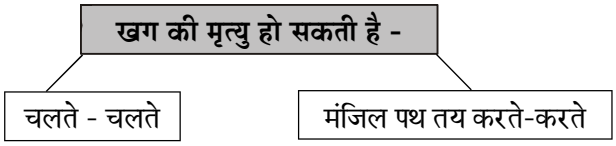

ii) **उत्तर लिखिए।**

(1) अपने मस्तक पर ½

(2) अपनी आँखों पर ½

3) i) (1) खाक - धूल या राख ½

(2) मंजिल - ध्येय या लक्ष्य ½

ii) (1) करते - करते ½
(2) चलते - चलते ½

4) कवि खग को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि हे खग, यदि मंजिल पथ पर लगातार उड़ान भरते - भरते मर भी गए तो सारी दुनिया तुम्हारी भस्म का तिलक लगाकर, गर्व से सिर ऊँचा किए तुम्हारी शहादत को ससम्मान नमन करेगी । तुम्हारे बलिदान को आदर्श माना जाएगा और संसार तुम्हें अपने सिर - आँखों पर चढ़ाकर अमर कर देगा। **2**

विभाग - 3 - पूरक पठन

उ.3. **परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।** **(4)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।**

(1) 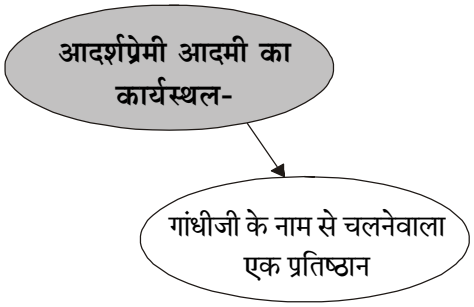

½

(2) 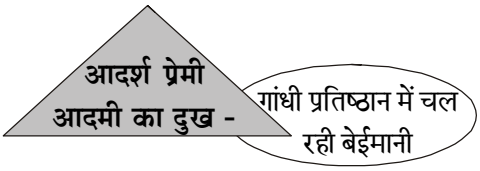

½

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**
(1) दूसरी औरतों के कुलटापन की बीमारी से परेशान हैं।
(2) जिन्होंने युवावस्था में अपने आपको किसी प्रतिष्ठान को समर्पित कर दिया था ।

2) सत्य व अहिंसा के महान उपासक महात्मा गांधीजी आदर्श नीतिज्ञ थे। सच्चाई, मानवता, सदाचार व न्याय पर उनकी असीम निष्ठा थी। 'बुरा मत देखो, बुरा मत कहो और बुरा मत सुनो' ऐसी गांधीजी की विचारधारा थी। इन्हीं सिद्धांतों का उन्होंने आजीवन पालन किया। इन्हीं सिद्धांतों को एक आदर्श आयाम देने के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके ये सिद्धांत नैतिकता के आधार स्तंभ थे। **2**

विभाग - 4 - व्याकरण

उ.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
आज हमारे मुहल्ले में नगर सेवक ने सार्वजनिक सुलभ शौचालय का उद्घाटन किया ।

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½
कार्यकर्ता - संज्ञा

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** 1
उन्होंने कबूतरबाजी का मैच देखा ।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
पुजारी ने प्रसाद बाँट दिया ।

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
चलो (चलना) - सहायक क्रिया ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** 1

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
लेटना	लिटाना	लिटवाना

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1
मैं बाजार गया लेकिन दवा लेना भूल गया ।

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** 1
कि - समुच्चयबोधक अव्यय

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** 2
उन्होंने तोलकर बोला ।
वे तोलकर बोल रहे हैं ।

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** 1
नाक - भौं - सिकोड़ना - अप्रसन्नता या अरुचि प्रकट करना ।
वाक्य : हमारे दादा जी आजकल के फिल्मी गाने सुनकर **नाक - भौं सिकोड़ने** लगते हैं ।

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

कार्य की पूर्तता होने के कारण मोहन ने चैन की साँस ली ।

विभाग - 5 - रचना

उ.**5.** **सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **5**

सौरभ तिवारी
गीता भवन, राजीव मार्ग,
पूना ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्यामंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

विषय : शिक्षक की नौकरी के लिए आवेदन पत्र ।

माननीय महोदय,

पिछले सप्ताह नवभारत टाइम्स में छपे एक विज्ञापन द्वारा मुझे ज्ञात हुआ कि आपके विद्यालय में हिंदी अध्यापक का पद खाली है । मैं उक्त पद के लिए आवेदन करना चाहता हूँ । मेरी शैक्षणिक योग्यता इस प्रकार है ।

1) दसवीं परीक्षा	2008	(प्रथम श्रेणी)
2) बारहवीं परीक्षा	2010	(प्रथम श्रेणी)
3) बी.ए. परीक्षा	2013	(द्वितीय श्रेणी)
4) बी.एड.	2016	(द्वितीय श्रेणी)

मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि मैं एक योग्य व कुशल शिक्षक बनकर दिखाऊँगा । आप केवल एक बार अवसर देने का कष्ट करें ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
सौरभ तिवारी ।

संलग्न प्रतियाँ :

1) दसवीं का प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
2) बारहवीं का प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
3) बी.ए. का प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
4) बी.एड. की डिग्री एवं अंकतालिका ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्यामंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

प्रेषक,
सौरभ तिवारी,
गीता भवन,
राजीव मार्ग,
पूना ।

अथवा

रमेश पांडे,
इंद्रानगर,
फिरोजपुर।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर।

विषय : औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र।

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ। मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है, वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ। कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं। उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है। कुछ और देशी दवाइयाँ मँगवाना चाहता हूँ। पाँच सौ रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ।

दवाओं की सूची इस प्रकार है :-

क्रमसंख्या	औषधि का नाम	मात्रा
1	कायम चूर्ण	300 ग्राम
2	च्यवनप्राश	800 ग्राम
3	द्राक्षासव	5 बोतल
4	शहद	1 बोतल

आशा है कि आप तुरंत औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे ।
कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।
धन्यवाद !

भवदीय,
रमेश पांडे।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर।

प्रेषक,
रमेश पांडे,
इंद्रानगर,
फिरोजपुर।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

संगठन की शक्ति

एक गाँव में एक बूढ़ा किसान रहता था । उसके चार बेटे थे, पर उनमें एकता का अभाव था । वे हमेशा आपस में लड़ते झगड़ते रहते थे । किसान उन्हें हमेशा समझाता कि वे सब मिल - जुलकर रहें, नहीं तो उनकी लड़ाई का फायदा दूसरे लोग उठाएँगे, लेकिन उन पर कोई असर नहीं होता ।

किसान ने बेटों को समझाने के लिए एक उपाय सोचा । वह बाजार से लड़कियों का एक गट्ठर ले आया । उसने अपने सभी बेटों को बुलाया और कहा कि इस गट्ठर की लकड़ियों को एक साथ तोड़ो । चारों में से कोई भी उस बधे हुए गट्ठर की लकड़ियों को नहीं तोड़ सका । अब किसान ने गट्ठर खोलकर सभी लड़कों को एक - एक लकड़ी दी और कहा कि लो इसे तोड़ो । इस बार चारों ने सरलतापूर्वक लकड़ी तोड़ दी ।

किसान ने बेटों से पूछा कि पहले तुम लोग लकड़ियाँ क्यों नहीं तोड़ सके । बेटों ने कहा कि लकड़ियाँ एक साथ संगठित रूप में थीं, इसलिए हम नहीं तोड़ सके । इस पर वृद्ध किसान ने कहा कि यदि तुम चारों भाई भी आपस में मिल - जुलकर संगठित होकर रहोगे, तो तुम्हें कोई भी नुकसान नहीं पहुँचा सकेगा । यदि लड़ते - झगड़ते रहोगे, तो इन लकड़ियों की तरह टूटकर कभी भी नष्ट हो जाओगे । पिता की सीख सुनकर सभी भाई आपस में मिल - जुलकर रहने लगे ।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि एकता का बल अपार है ।

3) **निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके ।** **5**

(1) दक्षिण में क्या प्रसिद्ध है ?
(2) धर्मग्रंथों में कौन-सी धारा बहती है ?
(3) प्राचीन ग्रंथ कौन-से हैं ?
(4) किन संतों के पद गाए जाते हैं ?
(5) सारा देश किन पर गर्व करता है ?

उ.6. **1) प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

जी हाँ रेल्वे स्टेशन पर दर्जनों दलाल घूमते रहते हैं । उनके लिए टिकट निकालना बाँए हाथ का खेल होता है । जब यात्री टिकट लेने के लिए टिकट खिड़की पर पहुँचते हैं तो दलाल उन्हे घेर लेते हैं । वे उन्हें टिकट देने के बड़े - बड़े दावे करने लगते हैं । अब यात्री आश्चर्य में पड़ जाते हैं कि भला इतनी लम्बी कतार लगी है, यह कैसे इतनी जल्दी टिकट देने की गारंटी ले रहा है । शायद यात्री को पता नहीं होता कि इन दलालों का अंदर तक जुगाड़ रहता है । इनका कोई न कोई आदमी खिड़की के पास हर वक्त या तो खड़ा रहता है या वहीं आस - पास मडराता रहता है, जो कोई न कोई जुगाड़ कर टिकट ला कर देता है । कभी - कभी तो वह दूसरों के लिए निकाला टिकट किसी दूसरे को भी दो गुने - तीन गुने दाम पर बेंच देता है जिससे यात्रा के दौरान यात्री को परेशानी होती है क्योंकि टिकट किसी और के नाम बुक होता है और यात्रा कोई और कर रहा होता है तथा यात्री सही पहचान पत्र देने में असफल होता है ।

2) **विज्ञापन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

'स्वास्थ्यवर्धक शरबत'

आपको कमजोरी से दिलाए राहत ।
भर दे आप में लाजवाब फुर्ती, शक्ति और ताजगी ।
स्त्री, पुरुष, बूढ़े - बच्चे सबके लिए विशेष उपयोगी ।

'आईए - आईए - आईए लीजिए ।'

सभी केमिस्टों और प्रमुख स्टोरों में उपलब्ध ।
शक्ति उत्पादन, नई दिल्ली ।
फोन न. ०९८९२२५०४९९

3) **किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :- (60 से 80 शब्दों में)** **5**

1) **<u>यदि मोबाइल न होता</u>**

आज का युग वैज्ञानिक आविष्कारों का युग है । संचार के क्षेत्र में इन आविष्कारों ने क्रांति कर दी । टेलिफोन, टेलीप्रिंटर फैक्स मशीन, बेतार के तार, इंटरनेट आदि वैज्ञानिक उपकरणों ने समय और दूरी की समस्या मिटा दी है । वर्तमान समय में मोबाइल इन सभी संचार साधनों में सर्वश्रेष्ठ बन गया है ।

वर्तमान समय में बच्चे, युवक, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी मोबाइल रखते हैं । कॉलेज जाने वाले युवक - युवतियों के लिए अपने पास मोबाइल रखना अनिवार्य हो गया है । उच्च श्रेणी के व्यक्ति डॉक्टर, वकील, प्रोफेसर इंजीनियर आदि के लिए तो मोबाइल अनिवार्य हो ही गया है, सामान्य श्रेणी के व्यक्ति चपरासी, मजदूर आदि भी मोबाइल रखते हैं ।

यदि मोबाइल न होता तो आज हमारा हर कार्य पहले जैसा ही धीमी गति से होता और समय के अभाव में कार्य समय पर नहीं हो पाता । हम अपातकाल में घर बैठे ही डॉक्टर को फोन कर जान लेते हैं, डॉक्टर साहब कब और कहाँ मिलेंगे । मोबाइल के अभाव में हमें पता नहीं लग पाता कि डॉक्टर किस समय कहाँ बिजिट (मुआयने) पर हैं । यदि मोबाइल न होता तो हम किसी दुर्घटना की खबर पुलिस को तुरंत नहीं कर पाते । दुकानदार मोबाइल के अभाव में न तो सीधे सामान का आर्डर ले पाते और न ही समय पर सामान पहुँचा पाते । मोबाइल के अभाव में हम आज की तरह घर बैठे, रेल, हवाई जहाज आदि का टिकट आरक्षित न करा पाते, और नहीं मनीट्रांसफर कर पाते

इस प्रकार यदि मोबाइल न होता तो हम अगणित सुविधाओं से वंचित रह जाते और इस भागती जिंदगी में अपना कार्य समय पर न कर पाते ।

1) **पेड़ की आत्म कथा** **5**

पथिक, तू मेरी हालत पर दो आँसू न बहाए तो न सही, लेकिन मेरी कहानी तो सुनता जा । आज मुझे अपने बारे में कुछ कहने की इच्छा हुई है ।

बचपन में मुझे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था । कभी शीत की ठिठुरन, कभी गरमी की जलन, कभी वर्षा की झड़ी । लेकिन हर सुबह उषा की मोहिनी मुसकान देखकर मेरे जी की कली खिल उठती थी । संध्या मुझ पर अपनी स्वर्णिम सुंदरता बिखेर देती थी । कितनी हँसी - खुशी से बीत गए बचपन के दिन !

आज तो मैं केवल ठूँठमात्र रह गया हूँ । लेकिन यौवन के वे दिन, वे बहारें, रंगरेलियाँ आज भी आँखों के सामने घूमती रहती हैं । उस समय मेरे चारों ओर हरियाली छाई रहती थी । भाँति - भाँति के पक्षी आकर मेरी डलियों पर बैठते थे । उस छोटी - सी चिड़िया को तो मैं कभी नहीं भूल सकता, जो मेरी टहनियों पर बैठकर किल्लोल करती थी मुझे यह भी याद है कि एक कोयल ने मेरी घनी - घनी छायादार डालियों में अपना घोंसला बनाया था । उस कोयल के नन्हे - नन्हे बच्चे मेरे फल खाकर हँसी - खुशी से जिंदगी बिता रहे थे ।

दोपहर को मेरी छाया में ग्वालों के लड़के खेला करते थे और कई मुसाफिर आराम करते थे । मेरे नीचे कितनी बैलगाड़ियाँ खड़ी रहती थीं । कभी कोई बारात भी मेरी छाया में रुकती थी, शहनाई के सुर सुनकर मैं मारे खुशी से फूला न समाता था । कभी - कभी जब गाँव की बालाएँ नववधू बनकर ससुराल जाते समय मेरे नीचे से गुजरतीं, तो मेरी शाखाएँ पत्ते गिराकर आँसू बहाने लगती थीं । नवरात्रि के दिनों में मेरे आसपास रास और गरबा नृत्यों की धूम मच जाती थी । ऐसी अनेक घटनाओं का मैं मूक साक्षी रहा हूँ ।

कालचक्र घूमता रहा । इस गाँव में बिजली के आगमन ने मुझ पर वज्राघात किया । बिजली के खंभे और तार लगाने वाले इंजीनियरों ने निर्दयतापूर्वक मेरी हरी - भरी शाखाएँ कटवा दीं और मेरी शान - शौकत मिट्टी में मिल गई ।

आज मेरे पत्ते झड़ गए है, डालियाँ सूख गई हैं । न आज मैं लोगों को छाया दे सकता हूँ और न आँधी से बचा सकता हूँ । अब तो मरकर भी जलाने की लकड़ी के रूप में तुम्हारे काम आ सकूँ तो अपने आपको धन्य समझूँगा ।

❖❖❖❖